चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
Times of India	30-7-23	7	8

HAU section bags award for research

TIMES NEWS NETWORK

Hisar: The bajra section of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (CCSHAU) has been awarded with the Best Research Centre Award 2022-23 at the national level for the second time in a row for its research work on Bajra crop, vice-chancellor B R Kamboj said.

Kamboj informed that the award was presented by the Indian Council of Agricultural Research (ICAR) assistant director general S K Pradhan at the 58th annual group meeting of the All India Coordinated Research Project of the Council at Hyderabad.

The V-C said the hybrid variety developed by the section includes bio-fortified bajra hybrids with high iron content (73-83 ppm), namely HHB 299 and HHB 311, molecular marker-assisted improved pearl millet EDV (essentially-derived variety) hybrid HHB 67.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	30-7-23	2	5-8

अब लौह तत्व की कमी दूर करेंगी बायोफोर्टिफाइड किस्में

- हकृवि के बाजरा अनुभाग को दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर मिला सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केंद्र अवार्ड, कुलपति प्रो. काम्बोज ने दी विज्ञानियों को बधाई

हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज बाजरा अनुभाग की टीम को सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड मिलने पर बधाई देते हुए। • विज्ञप्ति

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बाजरा अनुभाग को बाजरा में उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2022-23 का सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केंद्र अवार्ड प्रदान किया गया है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की हैदराबाद में आयोजित हुई अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 58वीं वार्षिक समूह बैठक में परिषद के सहायक महानिदेशक डा. एसके प्रधान ने यह अवार्ड प्रदान किया। गत वर्ष हुई अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 57वीं वार्षिक समूह बैठक में भी विभाग को यह अवार्ड मिला था।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के बाजरा अनुभाग ने हाल ही के वर्षों में बाजरा की उन्नत किस्मों के विकास, बाजरा में नए रोग कारकों की पहचान, बाजरा के संकर बीज उत्पादन व व्यवसायीकरण में बहुत सराहनीय कार्य किए हैं।

विभाग ने हाल ही में बाजरा की उच्च लौह तत्व युक्त दो बायोफोर्टिफाइड (दोनों में लौह तत्व 73, 83 पीपीएम) संकर किस्मों एचएचबी 299 व एचएचबी 311 के विकास के साथ हाल ही में यहां विकसित की गई बाजरा ईडीवी संकर एचएचबी 67 संशोधित दो किस्म का अनुमोदन किया है। इनमें पुराने संस्करण एचएचबी 67 संशोधित की तुलना में बेहतर डाउनी मिलड्यू फफूंदी प्रतिरोधक क्षमता है।

उन्होंने बताया कि इस विभाग के पौध रोग वैज्ञानिक डा. विनोद मलिक ने बाजरा में तना गलन रोग और ज्वार में क्लेबसिएला लीफ स्ट्रीफ रोग व उनके कारक जीवाणुओं की विश्व में पहली बार पहचान की थी जिसको अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल चुकी है। इस उपलब्धि का भी विभाग को यह अवार्ड मिलने में अहम योगदान रहा है। उनके अनुसार बाजरा की सस्य क्रियाओं के अंतर्गत पोटाश व अन्य सूक्ष्म तत्वों का प्रबंधन के कार्य को भी राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. जीत राम शर्मा ने इस उपलब्धि के लिए बाजरा अनुभाग के सभी वैज्ञानिकों को बधाई दी और भविष्य में भी गुणवत्ताशील अनुसंधान जारी रखने के लिए प्रेरित किया। इस अवार्ड को हासिल करने में बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डा. अनिल कुमार व कृषि महाविद्यालय एवं आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डा. एसके पाहुजा, डा. देवव्रत यादव, डा. केडी सहरावत, डा. विनोद मलिक, डा. हर्षदीप काम्बोज, डा. मुकेश, पंकज व डा. ज्योति कौशिक आदि का योगदान रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	30.7.23	5	1-4

हकृवि ने विकसित की मनुष्य में लौह तत्व की कमी को दूर करने के लिए दो बायोफोर्टिफाइड किस्में

■ बाजरा अनुभाग को दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर मिला सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड

सच कहूँ/संदीप सिंहमार

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बाजरा अनुभाग को बाजरा में उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2022-23 का सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड प्रदान किया गया है। कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की हैदराबाद में आयोजित हुई अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 58वी वार्षिक समूह बैठक में परिषद के सहायक महानिदेशक डॉ. एस. के. प्रधान ने यह अवार्ड प्रदान किया। गत वर्ष हुई अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 57वी. वार्षिक समूह बैठक में भी विभाग को

यह अवार्ड मिला था। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के बाजरा अनुभाग ने हाल ही के वर्षों में बाजरा की उन्नत किस्मों के विकास, बाजरा में नए रोग कारकों की पहचान, बाजरा के संकर बीज उत्पादन व व्यवसायीकरण में बहुत सराहनीय कार्य किए हैं। उन्होंने बताया कि विभाग ने हाल ही में बाजरा की उच्च लौह तत्व युक्त दो बायोफोर्टिफाइड (दोनों में लौह तत्व 73, 83 पीपीएम) संकर किस्मों एचएचबी 299 व एचएचबी 311 के विकास के साथ हाल ही में यहां विकसित की गई आणविक चिन्हों की सहायता से चयनित बेहतर बाजरा ईडीवी संकर एचएचबी 67 संशोधित 2 किस्म जिसमें इसके पुराने संस्करण एचएचबी 67 संशोधित की तुलना में बेहतर डाउनी मिलड्यू फफूंदी प्रतिरोधक क्षमता है,का अनुमोदन हुआ है।

तना गलन रोग की विश्व में पहली बार पहचान हुई पहचान

कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने इस विभाग के पौध रोग वैज्ञानिक डॉ. विनोद मलिक ने बाजरा में तना गलन रोग और ज्वार में क्लेबसिएला लीफ स्ट्रीफ रोग व उनके कारक जीवाणुओं की विश्व में पहली बार पहचान की थी, जिसको अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल चुकी है। इस उपलब्धि का भी विभाग को यह अवार्ड मिलने में अहम योगदान रहा है। उनके अनुसार बाजरा की सस्य क्रियाओं के अंतर्गत पोटाश व अन्य सूक्ष्म तत्वों का प्रबंधन के कार्य को भी राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है।

इन कृषि वैज्ञानिकों का रहा अहम योगदान

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने भविष्य में भी गुणवत्ताशील अनुसंधान जारी रखने के लिए प्रेरित किया। इस अवार्ड को हासिल करने में बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार व कृषि महाविद्यालय एवं आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.के.पाहुजा, डॉ. देवव्रत यादव, डॉ. के. डी. सहरावत, डॉ. विनोद मलिक, डॉ. हर्षदीप काम्बोज, डॉ. मुकेश, पंकज व डॉ. ज्योति कौशिक आदि का योगदान रहा है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा एवं मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	30.7.23	4	1-4

भास्कर खास • आयरन की कमी दूर करने को 2 बायोफोर्टिफाइड किस्में

हकृवि के बाजरा अनुभाग को दूसरी बार सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बाजरा अनुभाग को बाजरा में उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2022-23 का सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड प्रदान किया है। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की हैदराबाद में हुई अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 58वीं वार्षिक समूह बैठक में परिषद के सहायक महानिदेशक डॉ. एसके प्रधान ने यह अवार्ड प्रदान किया। 57वीं वार्षिक समूह बैठक में भी विभाग को यह अवार्ड मिला था।

कुलपति प्रो. काम्बोज सर्वश्रेष्ठ अवार्ड मिलने पर बधाई देते हुए।

बाजरा अनुभाग ने हाल ही के वर्षों में बाजरा की उन्नत किस्मों के विकास, बाजरा में नए रोग कारकों की पहचान, बाजरा के संकर बीज उत्पादन व व्यवसायीकरण में कार्य किए हैं। हाल ही में बाजरा की उच्च लौह तत्व युक्त दो बायोफोर्टिफाइड दोनों में लौह तत्व 73, 83 पीपीएम संकर किस्मों एचएचबी 299 व एचएचबी 311 के विकास के साथ हाल ही में यहां विकसित की गई। आणविक चिह्नों की सहायता से चयनित बेहतर बाजरा ईडीवी संकर एचएचबी 67 संशोधित 2 किस्म जिसमें इसके पूराने संस्करण एचएचबी 67 संशोधित की तुलना में बेहतर डाउनी मिलड्यू फफूंदी प्रतिरोधक क्षमता है, का अनुमोदन हुआ है।

उन्होंने बताया कि इस विभाग के पौध रोग वैज्ञानिक डॉ. विनोद मलिक ने बाजरा में तना गलन रोग और ज्वार में क्लेबसिएला लीफ स्ट्रीफ रोग व उनके कारक जीवाणुओं की विश्व में पहली बार पहचान की थी जिसको अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल चुकी है। इस उपलब्धि का भी विभाग को यह अवार्ड मिलने में अहम योगदान रहा है। विवि के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने इस उपलब्धि के लिए बाजरा अनुभाग के सभी वैज्ञानिकों को बधाई दी। इस अवार्ड को हासिल करने में बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार व कृषि महाविद्यालय एवं आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. एसके पाहुजा, डॉ. देवव्रत आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	30.7.23	6	7-8

बाजरा अनुभाग को दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर मिला सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केंद्र अवॉर्ड

एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज बाजरा अनुभाग की टीम को सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केंद्र अवॉर्ड मिलने पर बधाई देते हुए। संवाद

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बाजरा अनुभाग को बाजरा में उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2022-23 का सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केंद्र अवॉर्ड प्रदान किया गया है।

कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की हैदराबाद में आयोजित हुई अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 58वीं वार्षिक समूह बैठक में परिषद के सहायक महानिदेशक डॉ. एसके प्रधान ने यह अवॉर्ड प्रदान किया। गत वर्ष हुई अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 57वीं वार्षिक समूह बैठक में भी विभाग को यह अवॉर्ड मिला था। वीसी ने बताया कि विश्वविद्यालय के बाजरा अनुभाग ने हाल ही के वर्षों में बाजरा की उन्नत किस्मों के विकास, बाजरा में नए रोग कारकों की पहचान, बाजरा के संकर बीज उत्पादन व व्यवसायीकरण में बहुत सराहनीय कार्य किए हैं। उन्होंने बताया कि विभाग ने हाल ही में बाजरा की उच्च लौह तत्व युक्त दो बायो फोर्टिफाइड (दोनों में लौह तत्व 73, 83 पीपीएम) संकर किस्मों एचएचबी 299 व एचएचबी 311 के विकास के साथ हाल ही में यहां विकसित की गई आणविक चिह्नों की सहायता से चयनित बेहतर बाजरा ईडीवी संकर एचएचबी 67 संशोधित 2 किस्म जिसमें इसके पुराने संस्करण एचएचबी 67 संशोधित की तुलना में बेहतर डाउनी मिलड्यू फफूंदी प्रतिरोधक क्षमता है। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	30-7-23	5	6-8

हकृवि के बाजरा अनुभाग को दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर मिला सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड

मनुष्य में लौह तत्व की कमी को दूर करने के लिए विकसित की दो बायोफोर्टिफाइड किस्में

हिसार, 29 जुलाई (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बाजरा अनुभाग को बाजरा में उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2022-23 का सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड प्रदान किया गया है। कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की हैदराबाद में आयोजित हुई अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 58वी वार्षिक समूह बैठक में परिषद के सहायक महानिदेशक डा. एस. के. प्रधान ने यह अवार्ड प्रदान किया। गत वर्ष हुई अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 57वी. वार्षिक समूह बैठक में भी विभाग को यह अवार्ड मिला था। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के बाजरा अनुभाग ने हाल ही के वर्षों में बाजरा की उन्नत किस्मों के विकास, बाजरा में नए रोग कारकों की पहचान, बाजरा के संकर बीज उत्पादन व व्यवसायीकरण में बहुत सराहनीय कार्य किए हैं। उन्होने बताया कि विभाग ने हाल ही में बाजरा की उच्च लौह तत्व युक्त दो बायोफोर्टिफाइड (दोनों में लौह तत्व 73, 83 पीपीएम) संकर किस्मों एचएचबी 299 व एचएचबी 311 के विकास के साथ हाल ही में यहां विकसित की गई आणविक चिन्हों की सहायता से चयनित बेहतर बाजरा ईडीवी संकर एचएचबी 67 संशोधित 2 किस्म जिसमें इसके पूराने संस्करण एचएचबी 67 संशोधित की तुलना में बेहतर डाउनी मिलड्यू फफूंदी प्रतिरोधक क्षमता है, का अनुमोदन हुआ है। उन्होंने बताया कि इस विभाग के पौध रोग वैज्ञानिक डा. विनोद मलिक ने बाजरा में तना गलन रोग और ज्वार में क्लेबसिएला लीफ स्ट्रीफ रोग व उनके कारक जीवाणुओं की विश्व में पहली बार पहचान की थी जिसको अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल चुकी है। इस उपलब्धि का भी विभाग को यह अवार्ड मिलने में अहम योगदान रहा है। उनके अनुसार बाजरा की सस्य क्रियाओं के अंतर्गत पोटाश व अन्य सूक्ष्म तत्वों का प्रबंधन के कार्य को भी राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. जीत राम शर्मा ने इस उपलब्धि के लिए बाजरा अनुभाग के सभी वैज्ञानिकों को बधाई दी और भविष्य में भी गुणवत्ताशील अनुसंधान जारी रखने के लिए प्रेरित किया। इस अवार्ड को हासिल करने में बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डा. अनिल कुमार व कृषि महाविद्यालय एवं आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.के.पाहुजा, डा. देवव्रत यादव, डा. के. डी. सहरावत, डा. विनोद मलिक, डा. हर्षदीप काम्बोज, डा. मुकेश, पंकज व डा. ज्योति कौशिक आदि का योगदान रहा है। इस अवसर पर ओएसडी डा. अतुल ढींगड़ा एवं मीडिया एडवाइजर डा. संदीप आर्य मौजूद रहे।

हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बाजरा अनुभाग की टीम को सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड मिलने पर बधाई देते हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	29.07.2023	--	--

हकृवि के बाजरा अनुभाग को दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर मिला सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 29 जुलाई : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बाजरा अनुभाग को बाजरा में उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2022-23 का सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड प्रदान किया गया है। कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की हैदराबाद में आयोजित हुई अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 58वी वार्षिक समूह बैठक में परिषद के सहायक महानिदेशक डा. एस. के. प्रधान ने यह अवार्ड प्रदान किया। गत वर्ष हुई अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 57वी. वार्षिक समूह बैठक में भी विभाग को यह अवार्ड मिला था। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के बाजरा अनुभाग ने हाल ही के वर्षों में बाजरा की उन्नत किस्मों के विकास, बाजरा में नए रोग कारकों की पहचान, बाजरा के संकर बीज उत्पादन व व्यवसायीकरण में बहुत सराहनीय कार्य किए हैं। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. जीत राम शर्मा ने इस उपलब्धि के लिए बाजरा अनुभाग के सभी वैज्ञानिकों को बधाई दी और भविष्य में भी गुणवत्ताशील अनुसंधान जारी रखने के लिए प्रेरित किया। इस अवार्ड को हासिल करने में बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डा. अनिल कुमार व कृषि महाविद्यालय एवं आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.के. पाहुजा, डा. देवव्रत यादव, डा. के. डी. सहरावत, डा. विनोद मलिक, डा. हर्षदीप काम्बोज, डा. मुकेश, पंकज व डा. ज्योति कौशिक आदि का योगदान रहा है। इस अवसर पर ओएसडी डा. अतुल ढींगड़ा एवं मीडिया एडवाइजर डा. संदीप आर्य मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	29.07.2023	--	--

हकृवि के बाजरा अनुभाग को दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर मिला सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बाजरा अनुभाग को बाजरा में उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2022-23 का सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड प्रदान किया गया है। कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की हैदराबाद में आयोजित हुई अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 58वी वार्षिक समूह बैठक में परिषद के सहायक महानिदेशक डा. एस. के. प्रधान ने यह अवार्ड प्रदान किया। गत वर्ष हुई अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 57वी. वार्षिक समूह बैठक में भी विभाग को यह अवार्ड मिला था।

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के बाजरा अनुभाग ने हाल ही के वर्षों में बाजरा की उन्नत किस्मों के विकास, बाजरा में नए रोग कारकों की पहचान, बाजरा के संकर बीज उत्पादन व व्यवसायीकरण में बहुत सराहनीय कार्य किए हैं। उन्होने बताया कि विभाग ने हाल ही में बाजरा की उच्च लौह तत्व युक्त दो

हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बाजरा अनुभाग की टीम को सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड मिलने पर बधाई देते हुए।

बायोफोर्टिफाइड (दोनों में लौह तत्व 73, 83 पीपीएम) संकर किस्मों एचएचबी 299 व एचएचबी 311 के विकास के साथ हाल ही में यहां विकसित की गई आणविक चिन्हों की सहायता से चयनित बेहतर बाजरा ईडीवी संकर एचएचबी 67 संशोधित 2 किस्म जिसमें इसके पूराने संस्करण एचएचबी 67 संशोधित की तुलना में बेहतर डाउनी मिलड्यू फफूंदी प्रतिरोधक क्षमता है, का अनुमोदन हुआ है। उन्होंने बताया कि इस विभाग के पौध रोग वैज्ञानिक डा. विनोद मलिक ने बाजरा में तना गलन रोग और ज्वार में क्लेबसिएला लीफ स्ट्रीफ रोग व उनके कारक जीवाणुओं की विश्व में पहली बार पहचान की थी जिसको अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल चुकी है। इस उपलब्धि का भी विभाग को यह अवार्ड मिलने में अहम योगदान रहा है। उनके अनुसार बाजरा की सस्य क्रियाओं के अंतर्गत पोटाश व अन्य सूक्ष्म तत्वों का प्रबंधन के कार्य को भी राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. जीत राम शर्मा ने बताया कि इस अवार्ड को हासिल करने में बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डा. अनिल कुमार व कृषि महाविद्यालय एवं आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.के.पाहुजा, डा. देवव्रत यादव, डा. के. डी. सहरावत, डा. विनोद मलिक, डा. हर्षदीप काम्बोज, डा. मुकेश, पंकज व डा. ज्योति कौशिक आदि का योगदान रहा है। इस अवसर पर ओएसडी डा. अतुल ढींगड़ा एवं मीडिया एडवाइजर डा. संदीप आर्य मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ-छोर	29.07.2023	--	--

हकृवि के बाजरा अनुभाग को मिला सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड

नभ-छोर न्यूज ›› 29 जुलाई

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बाजरा अनुभाग को बाजरा में उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2022-23 का सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड प्रदान किया गया है। इस अवार्ड को हासिल करने में बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डा. अनिल कुमार व कृषि महाविद्यालय एवं आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.के.पाहुजा, डा. देवव्रत यादव, डा. केडी. सहरावत, डा. विनोद मलिक, डा. हर्षदीप काम्बोज, डा. मुकेश, पंकज व डा. ज्योति कौशिक आदि का योगदान रहा है। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की हैदराबाद में आयोजित हुई

अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 58वीं वार्षिक समूह बैठक में परिषद के सहायक महानिदेशक डा. एसके प्रधान ने यह अवार्ड प्रदान किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के बाजरा अनुभाग ने हाल ही के वर्षों में बाजरा की उन्नत किस्मों के विकास, बाजरा में नए रोग कारकों की पहचान, बाजरा के संकर बीज उत्पादन व व्यवसायीकरण में बहुत सराहनीय कार्य किए हैं। उन्होंने बताया कि विभाग ने हाल ही में बाजरा की उच्च लौह तत्व युक्त दो बायोफोर्टिफाइड (दोनों में लौह तत्व 73, 83 पीपीएम) संकर किस्मों एचएचबी 299 व एचएचबी 311 के विकास के साथ हाल ही में यहां विकसित की गई आणविक चिन्हों की सहायता से चयनित बेहतर बाजरा ईडीवी संकर एचएचबी 67 संशोधित 2 किस्म जिसमें इसके पुराने संस्करण एचएचबी 67 संशोधित की तुलना में बेहतर डाउनी मिलड्यू फफूंदी प्रतिरोधक क्षमता है, का अनुमोदन हुआ है। विभाग के पौध रोग वैज्ञानिक डा. विनोद मलिक ने बाजरा में तना गलन रोग और ज्वार में क्लेबसिएला लीफ स्ट्रीक रोग व उनके कारक जीवाणुओं की विश्व में पहली बार पहचान की थी जिसको अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल चुकी है। इस उपलब्धि का भी विभाग को यह अवार्ड मिलने में अहम योगदान रहा है। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. जीत राम शर्मा ने इस उपलब्धि के लिए बाजरा अनुभाग के सभी वैज्ञानिकों को बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पायनियर	29.07.2023	--	--

मनुष्य में लौह तत्व की कमी को दूर करने के लिए विकसित की दो बायोफोर्टिफाइड किस्में

हकृवि के बाजरा अनुभाग को दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर मिला सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड

पांच वाणी न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बाजरा अनुभाग को बाजरा में उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2022-23 का सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड प्रदान किया गया है। कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की हैदराबाद में आयोजित हुई अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 58वीं वार्षिक समूह बैठक में परिषद के सहायक महानिदेशक डा. एस. के. प्रधान ने यह अवार्ड प्रदान किया। गत वर्ष हुई अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 57वीं वार्षिक समूह बैठक में भी विभाग को यह अवार्ड मिला था।

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के बाजरा अनुभाग ने हाल ही के वर्षों में बाजरा की उन्नत किस्मों के विकास, बाजरा में नए रोग कारकों की पहचान, बाजरा के संकर बीज उत्पादन व व्यवसायीकरण में बहुत सराहनीय कार्य किए हैं।

उन्होंने बताया कि विभाग ने हाल ही में बाजरा की उन्नत लौह तत्व युक्त दो बायोफोर्टिफाइड (दोनों में लौह तत्व 73, 83 पीपीएम) संकर किस्में एचएचबी 299 व एचएचबी 311 के विकास के साथ हाल ही में यहां विकसित की गई आधुनिक विधियों की सहायता से चयनित बेहतर बाजरा ईडीवी संकर एचएचबी 67 संशोधित 2 किस्म जिसमें इसके पुराने संस्करण एचएचबी 67 संशोधित की तुलना में बेहतर डाउनी मिल्ड्यू (जोगिया) प्रतिरोधक क्षमता है, का अनुमोदन हुआ है। उन्होंने बताया कि इस विभाग के पौध रोग वैज्ञानिक डा. विनोद मलिक ने बाजरा में तना गलन रोग और ज्वार में बलेक्टीरियल लीफ स्ट्रीक रोग व उनके कारक जीवाणुओं की विश्व में पहली बार पहचान की थी जिसको अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल चुकी है इस उपलब्धि का भी विभाग को यह अवार्ड मिलने में अहम योगदान रहा है। उनके अनुसार बाजरा की सस्य क्रियाओं के अंतर्गत पोटाश व अन्य सूक्ष्म तत्वों का प्रबंधन के कार्य को भी राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. जीत राम शर्मा ने इस उपलब्धि के लिए बाजरा अनुभाग के सभी वैज्ञानिकों को बधाई दी और भविष्य में भी गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान जारी रखने के लिए प्रेरित किया।

इस अवार्ड को हासिल करने में बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डा. अनिल कुमार व कृषि महाविद्यालय एवं आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.के.पाहुजा, डा. देवव्रत यादव, डा. के.डी. महलावत, डा. विनोद मलिक, डा. हर्षदीप काम्बोज, डा. मुकेश, पंकज व डा. ज्योति कौशिक आदि का योगदान रहा है। इस अवसर पर ओएसडी डा. अतुल ढींगड़ा एवं मीडिया एडवाइजर डा. संदीप आर्य मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान समाचार	29.07.2023	--	--

हिन्दुस्थान समाचार

हिसार: एचएयू के बाजरा अनुभाग को दूसरी बार मिला सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड

1d · 1 shares

मनुष्य में लौह तत्व की कमी को दूर करने के लिए विकसित की दो बायोफोर्टिफाइड किस्में

हिसार, 29 जुलाई (हि.स.)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बाजरा अनुभाग को बाजरा में उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2022-23 का सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड प्रदान किया गया है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की हैदराबाद में हुई अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 58वीं वार्षिक समूह बैठक में परिषद के सहायक महानिदेशक डा. एसके प्रधान ने यह अवार्ड प्रदान किया। गत वर्ष हुई अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 57वीं वार्षिक समूह बैठक में भी विभाग को यह अवार्ड मिला था।

कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने शनिवार को बताया कि विश्वविद्यालय के बाजरा अनुभाग ने हाल ही के वर्षों में बाजरा की उन्नत किस्मों के विकास, बाजरा में नए रोग कारकों की पहचान, बाजरा के संकर बीज उत्पादन व व्यवसायीकरण में बहुत सराहनीय कार्य किए हैं। उन्होंने बताया कि विभाग ने हाल ही में बाजरा की उच्च लौह तत्व युक्त दो बायोफोर्टिफाइड (दोनों में लौह तत्व 73, 83 पीपीएम) संकर किस्मों एचएचबी 299 व एचएचबी 311 के विकास के साथ हाल ही में यहां विकसित की गई आणविक चिन्हों की सहायता से चयनित बेहतर बाजरा ईडीवी संकर एचएचबी 67 संशोधित दो किस्में जिसमें इसके पुराने संस्करण एचएचबी 67 संशोधित की तुलना में बेहतर डाउनी मिल्ड्यू फफूंदी प्रतिरोधक क्षमता है, का अनुमोदन हुआ है।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. जीतराम शर्मा ने इस उपलब्धि के लिए बाजरा अनुभाग के सभी वैज्ञानिकों को बधाई दी और भविष्य में भी गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान जारी रखने के लिए प्रेरित किया। इस अवार्ड को हासिल करने में बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डा. अनिल कुमार व कृषि महाविद्यालय एवं अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. एसके पाहुजा, डा. देवव्रत यादव, डा. केडी सहरावत, डा. विनोद मलिक, डा. हर्षदीप कम्बोज, डा. मुकेश, पंकज व डा. ज्योति कौशिक आदि का योगदान रहा है। इस अवसर पर ओएसडी

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	30-7-23	3	6

एचएयू में एक अगस्त से 9 से 4.30 बजे तक खुलेंगे कार्यालय

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एक अगस्त से नई समय सारिणी लागू होगी। इसके अन्तर्गत एक अगस्त से विश्वविद्यालय के कार्यालय प्रातः 9:00 बजे से सायं 4:30 बजे तक खुलेंगे। इस दौरान अपराह्न 1:00 बजे से 1: 40 बजे तक भोजनावकाश रहेगा। मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य ने बताया कि विश्वविद्यालय के प्रदेशभर में स्थित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों व क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्रों तथा कृषि कॉलेज, कौल (कैथल) व कृषि कॉलेज, बावल (रेवाड़ी) में भी एक अगस्त से उपरोक्त समय लागू होगा।

फिलहाल विश्वविद्यालय में गत एक मई से ग्रीष्मकालीन समय सारिणी लागू थी जिसके अनुसार कार्यालयों का समय प्रातः सात बजे से दोपहर दो बजे तक था, जो एक अगस्त से बदलकर प्रातः 9 बजे से सायं 4:30 बजे तक हो जाएगा। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	30.7.22	1	1

1 अगस्त से नई समय सारिणी

एचएयू में प्रातः 9 से शाम 4:30 बजे तक खुलेंगे कार्यालय

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 1 अगस्त से नई समय सारिणी लागू होगी। इसके अंतर्गत 1 अगस्त से विश्वविद्यालय के कार्यालय सुबह 9 बजे से शाम 4:30 बजे तक खुलेंगे। इस दौरान अपराह्न 1:00 बजे से 1:40 बजे तक भोजनावकाश रहेगा। मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य ने बताया कि विश्वविद्यालय के प्रदेशभर में स्थित सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों व क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों तथा कृषि कॉलेज, कौल कैथल व कृषि कॉलेज, बावल रेवाड़ी में भी 1 अगस्त से उपरोक्त समय लागू होगा। फिलहाल विश्वविद्यालय में गत 1 मई से ग्रीष्मकालीन समय सारिणी लागू थी जिसके अनुसार कार्यालयों का समय प्रातः 7 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक था, जो 1 अगस्त से बदलकर प्रातः 9:00 बजे से सायं 4:30 बजे तक हो जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पजाब केसरी	30-7-23	4	5-6

हकृवि में 1 अगस्त से लागू होगी नई समय सारिणी

हिसार, 29 जुलाई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 1 अगस्त से नई समय सारिणी लागू होगी। इसके अन्तर्गत 1 अगस्त से विश्वविद्यालय के कार्यालय प्रात: 9:00 बजे से सायं 4:30 बजे तक खुलेंगे। इस दौरान अपराह्न 1:00 बजे से 1:40 बजे तक भोजनावकाश रहेगा।

मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य ने बताया कि विश्वविद्यालय के प्रदेशभर में स्थित सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों व क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों तथा कृषि कालेज, कौल (कैथल) व कृषि कालेज, बावल (रेवाड़ी) में भी 1 अगस्त से उपरोक्त समय लागू होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	30-7-23	1	1

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पहली अगस्त से लागू होगी नई समय सारिणी

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 1 अगस्त से नई समय सारिणी लागू होगी। पहली अगस्त से विश्वविद्यालय के कार्यालय प्रातः 9 से सायं 4:30 बजे तक खुलेंगे। अपराह्न एक से 1:40 बजे तक भोजनावकाश रहेगा। मीडिया एडवाइजर डा. सदाप आर्य ने बताया कि विवि के प्रदेशभर में स्थित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों व क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्रों और कृषि कालेज, कौल (कैथल) व कृषि कालेज, बावल (रेवाड़ी) में भी 1 अगस्त से उपरोक्त समय लागू होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ-छोर	29.07.2023	--	--

हकृवि में एक अगस्त से सुबह 9 बजे से लगेंगे कार्यालय

नभ-छोर न्यूज ⏭ 29 जुलाई

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 1 अगस्त से नई समय सारिणी लागू होगी। इसके अन्तर्गत 1 अगस्त से विश्वविद्यालय के कार्यालय प्रातः 9:00 बजे से सायं 4:30 बजे तक खुलेंगे। इस दौरान अपराह्न 1:00 बजे से 1:40 बजे तक भोजनावकाश रहेगा। मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य ने बताया कि विश्वविद्यालय के प्रदेशभर में स्थित सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों व क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों तथा कृषि कालेज, कौल (कैथल) व कृषि कालेज, बावल (रिवाड़ी) में भी 1 अगस्त से उपरोक्त समय लागू होगा। फिलहाल विश्वविद्यालय में गत 1 मई से ग्रीष्मकालीन समय सारिणी लागू थी जिसके अनुसार कार्यालयों का समय प्रातः 7 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक था, जो 1 अगस्त से बदलकर प्रातः 9:00 बजे से सायं 4:30 बजे तक हो जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	29.07.2023	--	--

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 1 अगस्त से लागू होगी नई समय सारिणी

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 29 जुलाई : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 1 अगस्त से नई समय सारिणी लागू होगी। इसके अन्तर्गत 1 अगस्त से विश्वविद्यालय के कार्यालय प्रात: 9:00 बजे से सायं 4:30 बजे तक खुलेंगे। इस दौरान अपराह्न 1:00 बजे से 1:40 बजे तक भोजनावकाश रहेगा। मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य ने बताया कि विश्वविद्यालय के प्रदेशभर में स्थित सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों व क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों तथा कृषि कालेज, कौल (कैथल) व कृषि कालेज, बावल (रिवाड़ी) में भी 1 अगस्त से उपरोक्त समय लागू होगा। उल्लेखनीय है कि फिलहाल विश्वविद्यालय में गत 1 मई से ग्रीष्मकालीन समय सारिणी लागू थी जिसके अनुसार कार्यालयों का समय प्रात: 7 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक था, जो 1 अगस्त से बदलकर प्रात: 9:00 बजे से सायं 4:30 बजे तक हो जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	29.07.2023	--	--

एचएयू में 1 अगस्त से लागू होगी नई समय सारिणी

सिटी पल्स न्यूज, हिसार।
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 1 अगस्त से नई समय सारिणी लागू होगी। इसके अन्तर्गत 1 अगस्त से विश्वविद्यालय के कार्यालय प्रातः 9 से सायं 4:30 बजे तक खुलेंगे। इस दौरान अपराह्न 1 से 1:40 बजे तक भोजनावकाश रहेगा। मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य ने बताया कि विश्वविद्यालय के प्रदेशभर में स्थित सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों व क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों तथा कृषि कालेज, कौल (कैथल) व कृषि कालेज, बावल (रेवाड़ी) में भी 1 अगस्त से उपरोक्त समय लागू होगा। उल्लेखनीय है कि फिलहाल विश्वविद्यालय में गत 1 मई से ग्रीष्मकालीन समय सारिणी लागू थी जिसके अनुसार कार्यालयों का समय प्रातः 7 से दोपहर 2 बजे तक था, जो 1 अगस्त से बदलकर प्रातः 9 से सायं 4:30 बजे तक हो जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे	29.07.2023	--	--

हकृवि में 1 अगस्त से लागू होगी नई समय सारिणी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 1 अगस्त से नई समय सारिणी लागू होगी। इसके अन्तर्गत 1 अगस्त से विश्वविद्यालय के कार्यालय प्रातः 9:00 बजे से सायं 4:30 बजे तक खुलेंगे। इस दौरान अपराह्न 1:00 बजे से 1:40 बजे तक भोजनावकाश रहेगा।

मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य ने बताया कि विश्वविद्यालय के प्रदेशभर में स्थित सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों व क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों तथा कृषि कालेज, कौल (कैथल) व कृषि कालेज, बावल (रिवाड़ी) में भी 1 अगस्त से उपरोक्त समय लागू होगा। उल्लेखनीय है कि फिलहाल विश्वविद्यालय में गत 1 मई से ग्रीष्मकालीन समय सारिणी लागू थी जिसके अनुसार कार्यालयों का समय प्रातः 7 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक था, जो 1 अगस्त से बदलकर प्रातः 9:00 बजे से सायं 4:30 बजे तक हो जाएगा।